

प्रधानमंत्री कार्यालय

# भारत-इज़राइल व्यापार सम्मेलन में प्रधानमंत्री की टिप्पणियां

प्रविष्टि तिथि: 15 JAN 2018 11:15PM by PIB Delhi

**महामहिम बेंजामिन नेतन्याहू, इज़राइल के प्रधानमंत्री,  
भारत और इज़राइल के प्रमुख व्यापारीगण,  
देवियों एवं सज्जनों।**

मैं अपने सभी देशवासियों की ओर से प्रधानमंत्री नेतन्याहू और इजरायली प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों का स्वागत करता हूँ। दोनों देशों के मुख्य कार्यकारी अधिकारियों के साथ होना अत्यंत हर्ष का विषय है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और मैंने द्विपक्षीय सीईओ मंच के माध्यम से भारत और इज़राइल के अग्रणी व्यापारियों के साथ एक लाभदायक बातचीत की है। इस बातचीत और पिछले साल आरंभ हुई सीईओ की साझेदारी से मुझे बहुत उम्मीद है

**मित्रों!**

इज़राइल और उसके लोगों से मेरा हमेशा से गहरा संबंध रहा है। 2006 में, मैं गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में इज़राइल गया था। पिछले साल जुलाई में, मैं दुबारा इज़राइल गया था, जो भारत की ओर से ऐसी पहली यात्रा थी।

यह बहुत खास यात्रा थी। मैंने नवाचार, उद्यम और दृढ़ता की उस उल्लेखनीय भावना को महसूस किया, जो इज़राइल को चालित करती है। नई ऊर्जा और उद्देश्य ने पिछले कुछ सालों में हमारे संबंधों को और मजबूत किया है। इससे हमारे सहयोग को आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। हम भारत-इज़राइल संबंधों के एक नए अध्याय के शिखर पर खड़े हैं, जो हमारे लोगों और उनके जीवन में सुधार लाने वाले पारस्परिक अवसरों द्वारा संचालित है।

हमारे संबंधों के परिवर्तन में व्यवसाय और उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका है। आपके संयुक्त प्रयास हमारी बातचीत के लिए वास्तविक मूल्य प्रदान करेंगे और ठोस सफलताओं का साकार करेंगे। भारतीय अर्थव्यवस्था के पैमाने और हमारे लिए अत्याधुनिक इजरायली प्रौद्योगिकियों की प्रासंगिकता को देखते हुए, हम साथ मिलकर आकाश को भी छू सकते हैं!

**मित्रों!**

मुझे खुशी है कि आज हमने 'भारत-इज़राइल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास तथा टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन फंड (आई4एफ)' के अंतर्गत संयुक्त अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं के लिए पहला आह्वान आरंभ किया है, जिसकी घोषणा पिछले वर्ष जुलाई में मेरी इज़राइल यात्रा के दौरान की गई थी। इस कोष का 5 वर्षों की अवधि में उपयोग किया जा सकता है, जो दोनों देशों के प्रतिभा भंडार को मिलाकर नए तकनीकी समाधानों का पता लगाने का एक स्वागत योग्य अवसर है, जिनका व्यावसायिक रूप से दोहन किया जा सकता है।

मैं दोनों देशों के उद्यमों को इस मंच का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता हूँ। संयुक्त अनुसंधान और विकास परियोजनाओं "डेटा एनालिटिक्स" तथा "साइबर स्पेस सिक्योरिटी" जैसे क्षेत्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के आदान-

प्रदान में होने वाली वृद्धि भी उतनी ही रोमांचक है।

मुझे खुशी है कि जुलाई 2018 में, भारत-इज़राइल नवाचार और प्रौद्योगिकी सम्मेलन भारत में आयोजित होने जा रहा है। मुझे आशा है कि यह सम्मेलन नई प्रौद्योगिकियों के सह-विकास को प्रेरित करेगा। वास्तव में, आईक्रियेट के बाद परसों से इसके लिए जमीनी कार्य शुरू हो जाएगा। हम दोनों, एक अग्रणी नवाचार केंद्र के रूप में विकसित किये जा रहे इस परिसर का उद्घाटन करने के लिए गुजरात जा रहे हैं।

## मित्रों!

मैं प्रधानमंत्री नेतन्याहू को गुजरात के ग्रामीण इलाकों में ले जा रहा हूँ क्योंकि प्रौद्योगिकी और नवाचार की वास्तविक शक्ति आम आदमी को इससे मिलने वाले लाभ में निहित है। इज़राइल को सार्वभौमिक रूप से आरंभ करने वाले एक ऐसे राष्ट्र के रूप में जाना जाता है जिसमें नवाचार और ऊष्मायन के लिए एक अद्वितीय पर्यावरण व्यवस्था है।

इसका श्रेय इजरायली उद्यमियों को जाता है। आपने इज़राइल को एक मजबूत, स्थिर और अभिनव अर्थव्यवस्था बना दिया है। आपने 80 लाख लोगों के देश को प्रौद्योगिकी का वैश्विक ऊर्जा-केंद्र बना दिया है।

चाहे जल प्रौद्योगिकी हो; या कृषि-तकनीक; खाद्य का उत्पादन हो, या प्रसंस्करण अथवा संरक्षण; इज़राइल नई खोजों और प्रगति के साथ एक चमकदार उदाहरण रहा है। सुरक्षा चाहे भौतिक हो या आभासी; भूमि, पानी या आसमान हर स्थान की सुरक्षा में आपकी तकनीक को प्रशंसा मिली है। वास्तव में, भारत जैसे पानी की कमी की समस्या का सामना करने वाले राष्ट्र में, मैं विशेष रूप से इज़राइल की जल संबंधी दक्षता की प्रशंसा करता हूँ।

## मित्रों!

भारत में, एक अंतर उत्पन्न करने के लिए हम मैक्रो और माइक्रो, दोनों स्तर पर तीन साल से लगातार प्रयास रहे हैं। हमारा आदर्श वाक्य है: सुधार, प्रदर्शन और रूपांतरण।

परिणाम दोहरे हैं। एक तरफ, हमारी पद्धतियों, प्रक्रियाओं और प्रणालियों को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ प्रणालियों के साथ जोड़ा जा रहा है। दूसरी तरफ, हम तेजी से विकास की गति को बनाए रखने में सक्षम रहे हैं।

गहन संरचनात्मक सुधारों के बावजूद, हम सबसे तेजी से बढ़ रही प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक हैं। 40% की वृद्धि के साथ एफडीआई प्रवाह अपने उच्चतम स्तर पर है। युवाओं को कौशल और रोजगार दिलाने के लिए काफी काम किया जा रहा है। हमारी 65% आबादी 35 वर्ष या उससे कम आयु की है और वह प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास चाहती है।

हमारे लिए यह सबसे बड़ा अवसर होने के साथ-साथ एक चुनौती भी है। इस उद्देश्य के लिए, हमने स्टार्ट-अप इंडिया अभियान शुरू किया है। इस क्षेत्र में भारत-इज़राइल भागीदारी के लिए काफी संभावनाएं हैं। भारत-इज़राइल इनोवेशन ब्रिज दोनों पक्षों के स्टार्ट-अप के बीच एक कड़ी के रूप में कार्य करेगा। मैं कहता हूँ कि ज्ञान के विशाल भंडार तक पहुंचने के लिए भारतीय उद्योगों, स्टार्ट-अप और शैक्षणिक संस्थानों को अपने इजरायली समकक्षों के साथ सहयोग करना चाहिए।

- भारत के पास आकार और पैमाने हैं
- इज़राइल में तेजी और बढ़त है कई विचार और तकनीकें भारत के लिए उपयोगी हो सकती हैं या उन्हें वाणिज्यिक रूप से बढ़ाया जा सकता है।

## मित्रों!

आज, हम सबसे बड़े विनिर्माता राष्ट्रों में से एक के रूप में उभरे हैं। लेकिन हमारा काम अभी पूरा नहीं हुआ है। हम भारत को अपने युवाओं की ऊर्जा का लाभ उठाने वाले एक वैश्विक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित कर रहे हैं।

इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए 'मेक इन इंडिया' पहल तैयार की गई है। इन पहलों के माध्यम से, हम एक औपचारिक अर्थव्यवस्था के नए पारिस्थितिकी तंत्र और एक एकीकृत कर व्यवस्था युक्त, एक नया भारत बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

विशेष रूप से, हम भारत को ज्ञान आधारित, कौशल-समर्थित और प्रौद्योगिकी-आधारित समाज में विकसित करने के आतुर हैं। डिजिटल भारत और कौशल भारत के माध्यम से एक शानदार शुरुआत आरंभ की जा चुकी है। इस परिवर्तन को सक्षम करने के लिए, पिछले कुछ वर्षों में, मेरी सरकार ने पर्याप्त सुधार किए हैं।

हमने व्यवसायों और कंपनियों के सामने आने वाले कई नियामक और नीतिगत मुद्दों का समाधान प्रस्तुत किया है। हमने भारत में 'व्यापार करने में आसानी' पर ईमानदारी से काम किया है।

परिणामों को निम्न रूप में देखा जा सकता है:

- पिछले तीन सालों में, भारत विश्व बैंक के व्यापार करने में आसानी के सूचकांक में 42वें स्थान पर पहुँच गया है;
- दो वर्षों में हम डब्ल्यूआईपीओ के वैश्विक नवाचार सूचकांक में 21वें स्थान पर आ गए हैं।
- पिछले दो सालों में हम विश्व आर्थिक मंच के प्रमुख सूचकांक वैश्विक प्रतिस्पर्धा सूचकांक में 32 स्थान आगे बढ़े हैं, जो किसी भी देश के लिए सर्वोच्च है;
- हम विश्व बैंक के 2016 के लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में 19 स्थान आगे बढ़े हैं;
- हम यूएनसीटीएडी द्वारा सूचीबद्ध शीर्ष 10 एफडीआई गंतव्यों में शामिल हैं लेकिन हम यहाँ रुकेंगे नहीं हम और अधिक, और बेहतर करना चाहते हैं

पूँजी और प्रौद्योगिकी के प्रवेश को सक्षम करने के लिए, रक्षा क्षेत्र सहित अधिकांश क्षेत्रों को एफडीआई के लिए खोल दिया गया है। 90% से अधिक एफडीआई अनुमोदन को स्वचालित मार्ग पर लाया गया है।

आज हम सबसे खुली अर्थव्यवस्थाओं में से हैं। कुछ दिन पहले ही हमने एकल ब्रांड खुदरा और निर्माण के विकास में एफडीआई को 100% स्वचालित मार्ग की स्वीकृति दी है। हमने अपनी राष्ट्रीय विमान सेवा, एयर इंडिया को भी विदेशी निवेशकों के लिए खोल दिया है।

हम भारत में व्यवसाय करने को लगातार आसान बना रहे हैं। कराधान में, हमने कई ऐतिहासिक सुधार किए हैं। नए जीएसटी सुधार को सफलतापूर्वक और आसानी से आरंभ किया गया है।

यह भारत द्वारा किया गया अब तक का सबसे बड़ा व्यवसायिक और आर्थिक सुधार है। जीएसटी और वित्तीय प्रौद्योगिकियों और डिजिटल लेनदेन की शुरुआत के साथ, हम एक आधुनिक कर व्यवस्था की ओर बढ़ रहे हैं, जो पारदर्शी, स्थिर और पूर्वानुमान योग्य है।

## मित्रों!

कई इजरायली कंपनियों ने मेकिंग इन इंडिया के लिए भारतीय कंपनियों के साथ हाथ मिलाया है। कई अन्य प्रौद्योगिकियों में, विशेष रूप से उन्नत जल प्रौद्योगिकियों और कृषि तकनीकों, रक्षा और सुरक्षा प्रणालियों और फार्मा ज्ञान की भारत में एक दृढ़ पकड़ है। इसी तरह, इज़राइल के आईटी, सिंचाई और फार्मा जैसे कई क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों की महत्वपूर्ण उपस्थिति है।

हीरा हमारे व्यापार की एक मजबूत कड़ी है। आज पहले से अधिक व्यापार संयुक्त उपक्रम हैं। हालांकि, यह बस शुरुआत है। इज़राइल के साथ हमारा व्यापार 5 अरब डॉलर से अधिक का हो गया है

लेकिन अभी भी इसने अपनी पूरी क्षमता हासिल नहीं की है। हमें अपने संबंधों की पूर्ण क्षमता प्राप्त करनी होगी यह केवल राजनयिक अनिवार्य न होकर, आर्थिक आवश्यकता भी है। मैं हमारी संयुक्त क्षमता को बढ़ाने के बारे में आपके सुझावों का स्वागत करता हूँ। दोनों देशों में नवाचार, अनुकूलन और समस्या हल करने की भावना निहित है।

एक उदाहरण के रूप में:

अगर हम अपव्यय को बचाने के लिए सहयोग कर सकते हैं और अपने फल, सब्जियों और बागवानी में मूल्य जोड़ सकते हैं, तो पर्यावरण और आर्थिक लाभ की कल्पना करें! पानी के मामला भी ऐसा ही है।

हमारे पास बहुत अधिक पानी और पानी की कमी जैसी स्थितियां हैं। हमारे यहां खाद्य पदार्थों को फेंकने और भूखे रहने तक की परिस्थितियां हैं।

## मित्रों!

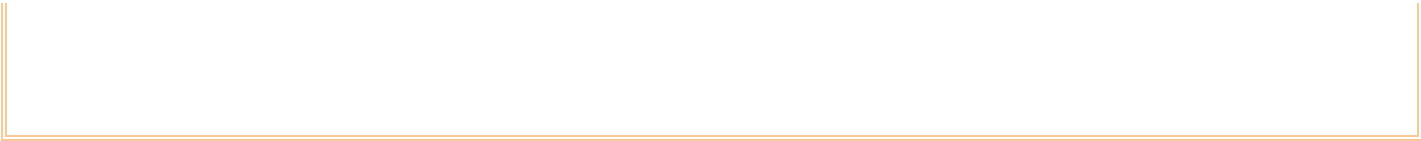
भारत का विकास एजेंडा बहुत बड़ा है। यह इज़राइली कंपनियों के लिए एक विशाल आर्थिक अवसर प्रस्तुत करता है। मैं अधिक से अधिक इजरायली लोगों, व्यवसायों और कंपनियों को भारत आने और यहां काम करने के लिए आमंत्रित करता हूँ। सरकार और लोगों के साथ, भारत का व्यापारिक समुदाय भी इज़राइल से हाथ मिलाने के लिए उत्सुक है। मैं आपकी कंपनियों और उद्यमों की सफलता की कामना करता हूँ। ऐसा करने में जहां भी आवश्यक हो, मैं आपको अपनी और अपनी सरकार की तरफ से सहायता का आश्वासन देता हूँ। मैं तेजी से बढ़ रहे भारत-इज़राइल व्यापार और आर्थिक सहयोग के लगातार समर्थन के लिए प्रधानमंत्री नेतन्याहू को धन्यवाद करता हूँ। मुझे भरोसा है कि हमारी साझेदारी काफी सफल होगी।

## आपको धन्यवाद!

\*\*\*

AKT/SH

(रिलीज़ आईडी: 1524561) आगंतुक पटल : 46



प्रधानमंत्री कार्यालय

# एनसीसी रैली में प्रधानमंत्री का भाषण

प्रविष्टि तिथि: 28 JAN 2018 5:05PM by PIB Delhi

करीब एक महीना अनेक नये मित्रों के साथ हर कोई अपने-अपने साथ अपनी एक अलग पहचान ले करके आया, अपनी विविधताओं को लेकर आया, लेकिन महीने के भीतर-भीतर एक ऐसा माहौल बन गया कि आप सबके बीच एक अटूट नाता जुड़ गया। एक अपनेपन का नाता, और जब आप दूसरे राज्य के कैडेट से मिलते होंगे तो उनकी विशेषताओं, विविधताओं को जान करके अजरब होता होगा। इतनी उत्सुकताएं ले करके आप यहां से जाएंगे कि मन करेगा कि भारत के नागरिक के नाते आने वाले समय में मैं भारत को जितना ज्यादा जानूँ, भारत के हर कौन को जितना ज्यादा जानूँ, भारत की हर विविधता को पहचानूँ, अपने आप को उसके भीतर पाऊँ। इसका संस्कार बीज यह NCC के कैंप में सहज रूप से हमारे भीतर बोया जाता है। यूँ तो लगता है कि हम परेड करते हैं, यूँ तो लगता है कि हम uniform पहनकरके आए हैं, यूँ तो लगता है कि हम राजपथ के लिए तैयारी कर रहे हैं, लेकिन हमें पता तक नहीं होता है कि हम हमारे भीतर यह विशाल भारत को कैसे संजोने लग जाते हैं। हम भारतमय कैसे बन जाते हैं। भारत के लिए कुछ न कुछ करने का मन में जज्बा कैसे पैदा हो जाता है। पता तक नहीं चलता। एक ऐसी Eco system, एक ऐसा वातावरण जो हमें पल-पल के लिए मेरा देश, मेरे देश का भविष्य, मेरे उज्जवल भविष्य में मेरी भूमिका, मेरा कर्तव्य, इन सारी बातों की प्रेरणा ले करके आप अपने-अपने क्षेत्र में यहां से लौट रहे हैं। राजपथ पर परेड में NCC के कैडेट और जिनको राजपथ पर चलने का, दिखने का मौका नहीं मिला, वैसे पार्श्व भूमि में काम करने वाले महीने भर कठोर तपस्या करने वाले हर किसी के प्रति दुनिया के दस देश के मेहमान और पूरा हिंदुस्तान और विश्वभर में फैला हुआ भारतीय समुदाय आपके हर कदम पर नाज़ कर रहा था। आपके हर कदम पर गर्व कर रहा था। जब आप चल रहे थे तो वह अनुभव कर रहा था कि मेरा देश आगे बढ़ रहा है। जब आप अपना हौंसला बुलंदी से दिखाते थे तो हर देशवासी feel कर रहा था कि देश का हौंसला बुलंदियों की ओर जा रहा है। यह माहौल, यह वातावरण यहां तक सीमित नहीं रहना चाहिए। कसौटी इसके बाद शुरू होती है। NCC इसकी पहचान है एकता और अनुशासन। NCC यह कोई मैकेनिज्म नहीं है।

NCC एक मिशन है, NCC यह सिर्फ uniform और uniformity नहीं है, यह सच्चे अर्थ में unity है। और इसलिए इस भाव को ले करके आखिरकार यह परेड, यह कैम्प, यह अनुशासन, यह कड़ी मेहनत किस काम के लिए है, यह सब क्यों? देश के गरीब से गरीब व्यक्ति के हक का धन इन चीजों में क्यों लगाया जाता है, वो इसलिए लगाया जाता है कि देश के भीतर ऐसे न्युक्लियस तैयार हो ऐसी ईकाइयां बनती चले, जो मिशन मोड में औरों को भी प्रेरित करते रहे और देश का जज्बा बढ़ता चले और इसलिए एक प्रकार से जिंदगी को बनाने का और उस बनी हुई जिंदगी से देश को बनाने का यह एक प्रयास होता है। अगर हम यही पर सब छोड़ कर जाते हैं। सिर्फ memories को, स्मृतियों को जीवनभर दोस्तों के बीच बांटते रहने के लिए काम आने वाली हैं, तो शायद कुछ कमी रह गई। हम सबको इस बात का गर्व होना चाहिए कि हमारा देश आजाद होने के बाद armed forces के लिए rules and regulation और नियमों का निर्माण होने से पहले इस देश में NCC का एक्ट बना था। राष्ट्र रक्षा से भी पहले राष्ट्र निर्माण को हमारे देश में युवा पीढ़ी के साथ जोड़ा गया था।

आज NCC 70 साल की हो गई है। सात दशक यात्रा और मेरे जैसे लाखों-लाखों NCC के कैडेट देशभक्ति के संस्कार पा करके जीवन की राह पर चलते पड़े। दोस्तों, NCC से हमें sense of mission मिलता है। 70 साल NCC के होना समय की मांग है कि एक बार हम relook करें, जहां से

चले थे जहां पहुंचे और आगे जहां देश को ले जाना है। इस NCC का रूप क्या हो, और कौन सी नई चीजें जोड़ी जाएं। उसका विस्तार क्या हो और इन सारे विषयों से जुड़े हुए लोगों से मैं आह्वान करूंगा कि जब हम NCC के 75 साल मनाएं हम एक खाका तैयार करें और उस 75 साल के मिशन को एक ऐसी ऊंचाई पर NCC को ले जाने वाला बनाए कि देश के हर कौने में NCC अपनी करतूतों के कारण, NCC के कैडेट के करतूतों के कारण देश के हर कौने में कुछ नयापन आए, कुछ बदलाव आए, कोई गौरव की भावना जगे। इस संकल्प को ले करके हम आज जब 70 साल कर रहे हैं, 75 साल का मिशन तय करें। मैं नहीं मानता हूं कि मेरे देश का कोई नौजवान अब भ्रष्टाचार को सहने के लिए तैयार है। भ्रष्टाचार के खिलाफ नफरत का भाव समाज में अनुभव हो रहा है, लेकिन सिर्फ हम भ्रष्टाचार से नफरत ही करते रहे, रोष प्रकट करते रहे, गुस्सा दिखाते रहे। इतने से काम चलेगा क्या? फिर तो यह लड़ाई बहुत लम्बी चलानी पड़ेगी, यह लड़ाई रुकने वाली नहीं है। यह भ्रष्टाचार के खिलाफ की लड़ाई, यह कालेधन की लड़ाई मेरे देश के नौजवानों का भविष्य बनाने के लिए है। और अगर मेरे देश के नौजवानों का भविष्य बनता है तो उसी से मेरे देश का भविष्य भी बनने वाला है। लेकिन मैं इस देश का प्रधानमंत्री आज भारत के नौजवानों से कुछ मांगना चाहता हूं। मेरे NCC के कैडेट से कुछ मांगना चाहता हूं।

मैं जानता हूं आप मुझे कभी निराश नहीं करेंगे। मेरे देश के नौजवान मुझे निराश नहीं करेंगे। न मैं आपसे वोट मांगने के लिए कह रहा हूं। न मैं राजनीति के मंच पर हमारी प्रगति हो इसके लिए आपकी मदद चाहता हूं। मेरे देश के नौजवानों मैं आपसे मदद चाहता हूं भारत को इस भ्रष्टाचार रूपी दिमक से मुक्ति दिलाने के लिए। आपको लगता होगा कि हम क्या कर सकते हैं? आपको लगता होगा कि हम ज्यादा से ज्यादा किसी को कुछ देंगे नहीं। ज्यादा से ज्यादा हम किसी से कुछ लेंगे नहीं। वो तो आप करेंगे ही, लेकिन इतने से बात अटकेगी नहीं। एक काम अगर आप ठान लें और नियम बना ले कि साल में कम से कम सौ नए परिवारों को मैं इस काम के लिए जोड़ूंगा, वो कौन सा काम है। अगर accountability आती है, transparency आती है, तो अपनेआप चीजों में बदलाव आता है। क्या आप तय कर सकते हैं कि अब हम जहां भी कुछ खरीद करने जाएंगे, जहां भी पैसे का लेन-देन होगा वो cash से नहीं करेंगे। हम सब mobile phone वाले हो गए हैं। क्या भीम एप डाउनलोड करके हम भीम एप के द्वारा ही हर चीज़ खरीदेंगे और जिस दुकान से खरीदेंगे, जिस Store में जाते होंगे, जिस Mall में जाते होंगे उन पर भी आग्रह करेंगे या नहीं, यह आपको करना होगा। आप इसकी आदत डालिये। आप देखिए इतनी transparency आना शुरू हो जाएगा, इतनी accountability सरल हो जाएगी कि हम भ्रष्टाचार मुक्त भारत की दिशा में मजबूत कदम उठा पाएंगे और यह काम मेरे नौजवानों की मदद के बिना नहीं हो सकता। मेरे NCC के कैडेट एक मिशन मोड़ में इस काम का उठा ले किसी की हिम्मत है कि देश को भ्रष्टाचार की ओर खींचे रख पाए। इतना ही भ्रष्ट व्यक्ति इतने ही बड़े पद पर पहुंच जाएगा, तो भी उसको ईमानदारी के रास्ते पर आने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

देश में कभी-कभी निराशा होती थी कि भ्रष्टाचार की बातें बड़ी होती हैं, लेकिन बड़े-बड़े लोगों को कुछ नहीं होता है। आज ऐसे कालखंड से आप गुजर रहे हैं। एक ऐसे समय से गुजर रहे हैं कि भ्रष्टाचार के कारण इस देश के तीन-तीन पूर्व मुख्यमंत्री जेलों में सड़ रहे हैं। कौन कहता है 'ईश्वर नहीं है' कौन कहता है ईश्वर के यहां न्याय नहीं है। अब कोई बचने वाला नहीं है। और इसलिए मैं आज NCC के कैडेट के सामने उनके माध्यम से देशभर के NCC के कैडेट हो NSS के नौजवान हो, नेहरू युवा केंद्र के नौजवान हो, स्कूल-कॉलेज के छात्र हो, मेरे देश के लिए जीने-मरने वाले नौजवान हो मैं आपसे मदद चाहता हूं। इस लड़ाई के लिए आप मेरे साथ सिपाही बन करके आ जाइये। आइये हम मिल करके भारत को इस दिमक से मुक्ति दिला दें, तो देश के गरीबों के हक की लड़ाई हम हम जीत पाएंगे। हम बुराईयों को मिटाते हैं, उसका सबसे ज्यादा फायदा मेरे देश के गरीबों को होता है। जब पैसे सही जगह पर खर्च होते हैं तो किसी गरीब के घर में सस्ती दवाई पहुंचती है। जब पैसे सही जगह पर खर्च होते हैं तो एक गरीब बच्चों के पढ़ने के लिए अच्छे शिक्षक, अच्छे स्कूल की व्यवस्था बनती है। जब पैसे सही जगह



पर उपयोग होते हैं तो गांव तक जाने के लिए सड़क बनती है, जब पैसे सही जगह पर उपयोग होते हैं तो इस देश के दलित, पीड़ित, शोषित, वंचित उनके लिए कुछ करने का अवसर पैदा होता है। और इसलिए मेरे देश के प्यारे नौजवानों अब इन दिनों आधार के विषय में चर्चा सुन रहे हैं। जो लोग Technology को जानते हैं, जो बदलते हुए युग को जानते हैं उनको मालूम है कि डेटा यह दुनिया में आने वाले समय में एक बहुत बड़ी ताकत बनने वाला है। जिसके पास डेटा है वो देश ताकतवर माना जाएगा, वो दिन दूर नहीं होगा। आधार ने डिजिटल वर्ल्ड में डेटा की दुनिया में बहुत बड़ी ताकत का भारत को गर्व दिया है, गौरव दिया है। और अब आधार के माध्यम से लोगों को जो benefit मिलने चाहिए, गरीब को, सामान्य मानव को वो पहले गलत हाथों में चले जाते थे। भ्रष्टाचार का वो भी एक रास्ता था, जो बच्ची पैदा नहीं होती थी, वो सरकारी दफ्तर में बड़ी होती थी, शादी हो जाती थी और विधवा भी हो जाती थी और सरकारी खजाने से विधवा पेंशन भी चला जाता था। यही कारोबार चलता रहा, आधार के कारण, Direct benefit transfer के कारण जो हकदार थे, उनका identification हो पाया, उन्हीं को मिलने लगा। और मेरे देश के नौजवानों सिर्फ Technology की मदद से कुछ ही योजनाओं में अभी तो शत-प्रतिशत नहीं है, आरंभ है, करीब-करीब 60 हजार करोड़ रुपया देश का जो गलत हाथों में जाता था, वो बच गया। यह सब संभव है। और इसलिए मेरे नौजवान cashless society की दिशा में less cash का मंत्र ले करके भीम ऐप का सर्वाधिक उपयोग करते हुए हम अगर खरीद बिक्री का सारा कारोबार, फीस भी देनी है तो भीम ऐप से देंगे। तो आप देखिए किस प्रकार से देश में बदलाव शुरू होता है।

मेरे नौजवान साथियों एक उत्तम अनुभव जीवन में मिला है आपको। बहुत ही कम समय में देश के हर कौने के व्यक्ति के साथ जी करके देश का अनुभव करने का अवसर मिलता है। feeling मिलती है। भारत का एक नया स्पर्श आपको मिलता है, इस नव चेतना के साथ, इस नव संकल्प के साथ इस नव अरमान के साथ New India बनाने के लिए हम सभी संकल्प ले करके चले। 2022 में जब भारत आजादी के 75 साल मनाएगा, तब आजादी के दिवानों के सपने पूरे करने का सामर्थ्य हम अर्जित करके देश को आगे बढ़ाए, New India बनाए, आप सबको मेरी बहुत-बहुत शुभकामनाएं, धन्यवाद।

\*\*\*

अतुल कुमार तिवारी / उत्सव परमार / तारा

(रिलीज़ आईडी: 1518487) आगंतुक पटल : 116

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Assamese



प्रधानमंत्री कार्यालय

# डिफेक्सपो-2018 में प्रधानमंत्री के संबोधन का मूल पाठ

प्रविष्टि तिथि: 12 APR 2018 12:28PM by PIB Delhi

तमिलनाडु के राज्यपाल,  
लोकसभा के उपाध्यक्ष,  
तमिलनाडु के मुख्यमंत्री,  
तमिलनाडु के उप-मुख्यमंत्री,  
मंत्रिपरिषद के मेरे सहयोगी,  
सम्मानित आगंतुक गण,  
मित्रों,

आप सबको सुप्रभात,

यह डेफ-एक्सपो का दसवां संस्करण है।

आपमें से कुछ लोग इस आयोजन में अनेक बार शामिल हुए होंगे। कुछ लोग एक्सपो की शुरुआत के समय से ही इसमें शामिल होते रहे हैं।

लेकिन मेरे लिए डेफ-एक्सपो में आना पहला मौका है। मैं महान तमिलनाडु राज्य के ऐतिहासिक क्षेत्र कांचीपुरम में बड़ी संख्या में उपस्थित लोगों को देखकर प्रसन्न और भाव-विभोर हूं।

मैं महान चोला राजाओं की भूमि में आकर अत्यधिक प्रसन्न हूं। चोला साम्राज्य ने व्यापार और शिक्षा के जरिए भारत की ऐतिहासिक सभ्यता की स्थापना की। यह भूमि हमारी गौरवशाली समुद्री विरासत की भूमि है।

यह वही भूमि है, जहां से हजारों वर्ष पहले भारत ने पूरब को देखा और पूरब में सक्रियता बढ़ाई।

मित्रों, यह देखकर आश्चर्य होता है कि डेढ़ सौ विदेशी कंपनियों के साथ 500 से अधिक कंपनियां यहां उपस्थित हैं।

40 से अधिक देशों ने अपने अधिकारिक शिष्टमंडलों को भी भेजा है। यह अभूतपूर्व मौका है न केवल भारत की रक्षा आवश्यकताओं पर विचार करने का बल्कि पहली बार विश्व को भारत की अपनी निर्माण क्षमता को दिखाने का मौका भी है।

पूरे विश्व में सशस्त्र सेनाएं सप्लाई चेन के महत्व को जानती हैं। केवल रण क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि रक्षा निर्माण उद्योगों की फैक्ट्रियों में भी रणनीतिक निर्णय लिए जाते हैं।

आज हम आपस में जुड़े विश्व में रह रहे हैं। किसी भी विनिर्माण उद्यम में सप्लाई चेन की सक्षमता महत्वपूर्ण होती है। इसलिए भारत के लिए और विश्व की आपूर्ति के लिए मेक-इन-इंडिया पहले से अधिक मजबूत है।

मित्रों, भारत का हजारों वर्ष का इतिहास यह दिखाता है कि हमने किसी के भू-भाग को लेने की इच्छा नहीं की है।

युद्ध के माध्यम से देशों को जीतने की अपेक्षा भारत ने हृदय को जीतने में विश्वास रखा है। वास्तव में अशोक के समय से और उससे भी पहले भारत मानवता के उच्चतम सिद्धांतों की रक्षा के लिए शक्ति के उपयोग में विश्वास करता रहा है।

आधुनिक समय में एक सौ तीस हजार से अधिक भारतीय सैनिकों ने पिछली शताब्दी के विश्व युद्धों में अपने प्राणों की आहुती दी है। भारत का किसी भू-भाग पर कोई दावा नहीं था, लेकिन भारतीय सैनिकों ने शांति बहाल करने और मानव मूल्यों की रक्षा के लिए लड़ाई लड़ी।

स्वतंत्र भारत ने पूरे विश्व में बड़ी संख्या में संयुक्त राष्ट्र शांति सेना ने अपने जवानों को भेजा है।

साथ-साथ देश की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी अपने नागरिकों की रक्षा करनी है। महान भारतीय विचारक और रणनीतिकार कौटिल्य ने 2000 वर्ष पहले अर्थशास्त्र लिखी। उन्होंने कहा कि राजा या शासक को अपनी जनता की रक्षा करनी ही होगी। और उन्होंने यह भी कहा कि युद्ध की तुलना में शांति वरीयता योग्य है। भारत की रक्षा तैयारियां इन विचारों से निर्देशित हैं। शांति के प्रति हमारा संकल्प उतना ही मजबूत है, जितना अपनी जनता और अपने भू-भाग की रक्षा करने का संकल्प। और हम इसके लिए वैसे सभी कदम उठाने को तैयार हैं, जो हमारी सशस्त्र सेनाओं को लैस कर सकें। इनमें रणनीतिक रूप से स्वतंत्र रक्षा औद्योगिक परिसर की स्थापना भी शामिल है।

मित्रों, हमें यह पता है कि रक्षा औद्योगिक परिसर बनाना कोई साधारण काम नहीं है। हम जानते हैं कि बहुत कुछ करना होगा और एक साथ अनेक कड़ियां जोड़नी होंगी। हम यह भी जानते हैं कि सरकारी सहभागिता के संदर्भ में रक्षा विनिर्माण क्षेत्र अन्तः है। आपको विनिर्माण लाइसेंस देने के लिए सरकार की आवश्यकता है। भारत में सरकार एकमात्र खरीदार है, इसलिए आदेश प्राप्ति के लिए आपको सरकार की भी जरूरत है।

और आपको निर्यात अनुमति के लिए भी सरकार की आवश्यकता होती है।

इसलिए पिछले कुछ वर्षों में हमने एक विनम्र शुरुआत की है।

रक्षा विनिर्माण लाइसेंस पर, रक्षा ऑफसेट पर, रक्षा निर्यात मंजूरी पर और रक्षा विनिर्माण में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश और रक्षा खरीद प्रणाली में सुधार पर हमने अनेक कदम उठाए हैं।

इन सभी क्षेत्रों में हमारे नियम और प्रक्रियाओं को उद्योग अनुकूल, अधिक पारदर्शी, अधिक संभाग तथा अधिक परिणाममुखी बनाया गया है। लाइसेंस जारी करने के उद्देश्य से रक्षा उत्पाद सूची में संशोधन किया गया है और अधिक अवयव, कलपुर्जे उप-प्रणालियां, जांच उपकरण और उत्पादन उपकरण सूची से हटा दिए गए हैं, ताकि उद्योग के लिए प्रवेश सीमा में कमी आए, विशेषकर छोटे और मझौले उद्योगों के लिए।

औद्योगिक लाइसेंस की प्रारंभिक वैधता अवधि 3 वर्ष से 15 वर्ष कर दी गई है। इसमें 3 वर्ष और आगे बढ़ाने का भी प्रावधान है।

ऑफसेट दिशा-निर्देशों को लचीला बनाया गया है। भारतीय ऑफसेट पार्टनरों और ऑफसेट संघटकों में परिवर्तन की अनुमति दी गई है। यह अनुमति पहले हस्ताक्षर किए गए ठेके के मामले में भी लागू हैं।

विदेशी मूल उपकरण निर्माताओं के लिए अब यह आवश्यक नहीं है कि वे ठेके पर हस्ताक्षर करते समय भारतीय ऑफसेट पार्टनरों और उत्पादों के विवरण का संकेत करें। हमने निर्वहन ऑफसेटों के मार्ग के रूप में सेवाओं की बहाली की है। निर्यात अधिकार पत्र जारी करने के लिए मानक संचालन प्रक्रिया सरल

बनाई है और इसे सार्वजनिक किया गया है।

कलपुर्जों के निर्यात तथा अन्य गैर-संवेदी सैन्य भंडारों, सब एसेम्बलियों और उप-प्रणालियों के लिए सरकार द्वारा हस्ताक्षरित एन्ड यूजर प्रमाण पत्र की आवश्यकता को समाप्त कर दिया है।

मई 2001 तक रक्षा उद्योग क्षेत्र निजी क्षेत्र के लिए बंद थे। इस क्षेत्र को श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी की सरकार द्वारा निजी क्षेत्र की भागीदारी के लिए खोला गया।

हमने एक कदम और आगे बढ़ाया है और ऑटोमेटिक मार्ग से विदेश प्रत्यक्ष निवेश की 26 प्रतिशत की सीमा को बढ़ाकर 49 प्रतिशत किया है और मामले दर मामले आधार पर 100 प्रतिशत भी।

रक्षा खरीद प्रक्रिया में भी संशोधन किया गया है। घरेलू रक्षा उद्योग के विकास को गति देने के लिए इसमें विशेष प्रावधान किए गए हैं। हमने पहले आयुध निर्माणियों द्वारा बनाई जा रही कुछ सामग्रियों को अधिसूचना से बाहर किया है, ताकि निजी क्षेत्र विशेषकर सूक्ष्म, लघु और मझौले उद्योग इस जगह प्रवेश कर सकें।

रक्षा क्षेत्र में सूक्ष्म और लघु उद्यमों के विकास को प्रोत्साहित करने के लिए 2012 में अधिसूचित सूक्ष्म और लघु उद्यमों के लिए सार्वजनिक खरीद नीति अप्रैल 2015 से अनिवार्य बना दी गई है।

और हम उत्साहजनक प्रारंभिक परिणाम देख रहे हैं। मई 2014 में 215 रक्षा लाइसेंस जारी किए गए थे। 4 वर्षों से कम समय में हमने पहले से अधिक पारदर्शी और संभावित प्रक्रिया के माध्यम से 144 से अधिक लाइसेंस जारी किए हैं।

मई, 2014 में, रक्षा निर्यात अनुमति की कुल संख्या 118 रही, जिसका कुल मूल्य 577 मिलियन डॉलर था। चार वर्ष से भी कम समय में, हमने 1.3 अरब डॉलर मूल्य की 794 निर्यात अनुमति जारी की। वर्ष 2007 से 2013 तक, नियोजित ऑफसेट कार्य 1.24 अरब डॉलर रहा जिसमें से केवल 0.79 अरब डॉलर मूल्य के ऑफसेट वास्तव में अदा किए गए। यह केवल करीब 63 प्रतिशत उपलब्धि दर है।

2014 से 2017 तक नियोजित ऑफसेट कार्य 1.79 अरब डॉलर था जिसमें से 1.42 अरब डॉलर मूल्य के ऑफसेट वसूले गए। यह 80 प्रतिशत उपलब्धि दर है। रक्षा सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रमों और आयुध फैक्ट्रियों द्वारा सूक्ष्म और लघु उद्यमों से खरीद 2014-15 में करीब 3300 करोड़ रुपये थी जो 2016-17 में बढ़कर 4250 करोड़ रुपये हो गई। यह वृद्धि करीब 30 प्रतिशत है।

यह प्रशंसा का विषय है कि लघु और मध्यम क्षेत्र का योगदान रक्षा उत्पादन में पिछले 4 वर्षों में 200 प्रतिशत बढ़ गया।

और ये लगातार वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन रहे हैं।

मुझे खुशी है कि खरीद ऑर्डरों में रक्षा पूंजी व्यय के जरिए रखा गया भारतीय विक्रेताओं का हिस्सा 2011-14 के दौरान करीब 50 प्रतिशत से बढ़कर पिछले 3 वर्षों के दौरान 60 प्रतिशत हो गया है।

मुझे यकीन है कि आने वाले वर्षों में इसमें और वृद्धि होगी।

**मित्रो,**

मुझे मालूम है कि हमें अभी बहुत कुछ करने की जरूरत है और हम आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हम रक्षा औद्योगिक परिसर का निर्माण करने के लिए प्रतिबद्ध हैं जिसमें सभी -सार्वजनिक क्षेत्र, निजी क्षेत्र, विदेशी फॉर्मों के लिए स्थान हो।

हम दो औद्योगिक रक्षा गलियारे स्थापित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इनमें से एक यहां तमिलनाडु में और एक उत्तर प्रदेश में बनाया जाएगा। ये रक्षा औद्योगिक गलियारे मौजूदा रक्षा निर्माण तंत्र का इस्तेमाल इन क्षेत्रों में करेंगे और आगे निर्माण करेंगे।

ये गलियारे देश के आर्थिक विकास और रक्षा औद्योगिक विकास का आधार होंगे। हमने एक रक्षा निवेशक प्रकोष्ठ स्थापित किया है ताकि रक्षा उत्पादन में शामिल निवेशकों की सहायता की जा सके।

**मित्रो,**

प्रौद्योगिकी, नवोत्पाद अनुसंधान और विकास के लिए सरकार की सहायता रक्षा क्षेत्र के लिए आवश्यक है।

नियोजन में उद्योग की मदद करने और प्रौद्योगिकी विकास शुरू करने के लिए तथा साझेदारी और उत्पाद प्रबंधों के लिए एक प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण और क्षमता रोडमैप जारी किया गया है।

आज, हमने रक्षा उत्कृष्टता के लिए नवोत्पाद योजना शुरू की है। यह रक्षा क्षेत्र में स्टार्ट अप के लिए आवश्यक उद्भवन और बुनियादी ढांचा सहायता प्रदान करने के लिए देश भर में रक्षा नवोत्पाद हब स्थापित करेगी।

रक्षा क्षेत्र में निजी उद्यम पूंजी, खासतौर से स्टार्ट अप को प्रोत्साहन दिया जाएगा।

नई और उभरती हुई प्रौद्योगिकी जैसे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और रोबोटिक्स भविष्य में किसी भी रक्षा सेना की रक्षात्मक और आक्रामक क्षमताओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण निश्चित गुणक है। भारत सूचना प्रौद्योगिकी डोमेन में अपने अग्रणी स्थान के साथ इस प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल लाभ के लिए करने का प्रयास करता रहेगा।

**मित्रो,**

पूर्व राष्ट्रपति और तमिलनाडु के महान सपूत तथा भारत रत्न डॉ. ए. पी. जे. अब्दुल कलाम हम सभी से कहा करते थे “सपने देखो! सपने देखो! सपने देखो! सपने विचारों में बदलते हैं और विचार कार्य में बदलते हैं।”

हमारा स्वप्न है कि रक्षा निर्माण क्षेत्र में नए और सृजनात्मक उद्यम के लिए माहौल तैयार करने के लिए एक तंत्र विकसित किया जाए।

और इसके लिए आने वाले सप्ताहों में हम सभी साझेदारों, भारतीय और विदेशी कंपनियों दोनों के साथ विस्तृत विचार-विमर्श करेंगे। हमारी रक्षा उत्पादन और रक्षा खरीद नीति के लिए मैं आप सभी का आह्वान करता हूं कि आप इस कार्य में सक्रियता से भाग लें। हमारा उद्देश्य न सिर्फ विचार-विमर्श करना है बल्कि सही उदाहरण पेश करना है। हमारा इरादा भाषण देना नहीं है बल्कि दूसरों की बात सुनना है। हमारा लक्ष्य केवल संवारना नहीं बल्कि परिवर्तन करना है।

**मित्रो,**

हम तेजी से आगे बढ़ना चाहते हैं, लेकिन हम छोटा रास्ता नहीं अपनाना चाहते।

कभी ऐसा समय था जब शासन के अनेक पहलुओं की तरह रक्षा तैयारी का महत्वपूर्ण मुद्दा भी गतिहीन नीति से प्रभावित होता था।

हमने देखा कि इस तरह का आलस्य, अक्षमता अथवा कुछ छिपे हुए उद्देश्य किस प्रकार देश को नुकसान पहुंचा सकते हैं।

न तो अभी, न ही कभी। दोबारा कभी नहीं। ऐसे मुद्दे जिनका समाधान पिछली सरकारों द्वारा काफी पहले किया जाना चाहिए था उनका समाधान अब किया जा रहा है।

आपने देखा होगा कि किस प्रकार भारतीय सेना के जवानों को बुलेट प्रूफ जैकेट प्रदान करने का मुद्दा वर्षों तक लटकता रहा।

अब आपने यह भी देखा होगा कि समझौते के साथ सफलतापूर्वक निष्कर्ष तक पहुंचने के लिए एक प्रक्रिया अपनाई गई जो भारत में रक्षा निर्माण को प्रोत्साहित करेगी। आप लड़ाकू विमान की खरीद की लंबी प्रक्रिया को याद कर सकते हैं जो किसी निष्कर्ष तक ही नहीं पहुंची।

हमने तत्कालिक महत्वपूर्ण जरूरतों को पूरा करने के लिए न केवल साहसिक कदम उठाए बल्कि 110 लड़ाकू विमान खरीदने के लिए नई प्रक्रिया की शुरुआत की। हम बिना किसी ठोस नतीजे के 10 वर्ष विचार-विमर्श में नहीं बिताना चाहते। हम अपने रक्षा सैनिकों को आधुनिक प्रणालियों से तैस करने के लिए मिशन की भावना से आपके साथ कार्य करेंगे और इसे हासिल करने के लिए आवश्यक घरेलू निर्माण तंत्र स्थापित करेंगे और आपके साथ साझेदारी में दक्षता और कार्यसाधकता को जारी करने के हमारे सभी प्रयासों में हम ईमानदारी और पवित्रता के सर्वोच्च आदर्शों से निर्देशित होंगे।

**मित्रो,**

इस पवित्र भूमि पर आते ही प्रसिद्ध कवि और दर्शनिक तिरुवल्लुवर का नाम दिमाग में आता है।

उन्होंने कहा था:

“रेत पर आप जितनी गहराई तक जाते हैं आप उतना ही नीचे जल स्रोत तक पहुंच जाते हैं; आप जितना ज्ञान प्राप्त करते जाते हैं, बुद्धिमत्ता का निर्बाध प्रवाह होता है।”

मुझे विश्वास है कि डेफ-एक्सपो व्यवसायियों और उद्योग को सैनिक औद्योगिक उद्यम विकसित करने के लिए मिलने का नया स्थान पता लगाने का अवसर प्रदान करेगा।

धन्यवाद

बहुत-बहुत धन्यवाद

\*\*\*

**वीके/एएम/एजी/केपी/एमएस/वीके-8138**

(रिलीज़ आईडी: 1528845) आगंतुक पटल : 463

इस विज्ञप्ति को इन भाषाओं में पढ़ें: English , Marathi , Tamil , Telugu , Malayalam